सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 10 ● अंक: 259 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 26 अक्टूबर, 2024
मूल्य ₹ 3/-

विश्वास वो शक्ति है जिससे उजड़ी हुई दुनिया में भी प्रकाश किया जा सकता है।
-हेलेन केलर

न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 359 रन... 7 | जनरेशन के नेताओं को किया... 3 | परिवारवाद की विरोधी बीजेपी... 2

सज गया चुनावी दंगल, 149 प्रत्याशियों ने कसी कमर

दीवाली बाद शुरु होगी आर-पार की जंग

» PDA बनाम PDA तक पहुंची यूपी की लड़ाई

» भाजपा ने अपने किसी सहयोगी पार्टी के प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की 09 विधानसभा सीटों पर हो रहे उपचुनाव में प्रत्याशियों के नामांकन की आखिरी तारीख 25 अक्टूबर थी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि आखरी दिन 78 उम्मीदवारों ने अपने नामांकन पत्र दाखिल किए। इस प्रकार अब तक कुल 149 प्रत्याशी चुनावी रणभूमि में उतर चुके हैं। यूपी के इस चुनाव में ये साफ हो गया है कि बात अगर N.D.A. और I.N.D.I.A. की होगी तो यूपी में लड़ाई सीधे तौर पर भाजपा और सपा के बीच ही है। कांग्रेस के चुनाव मैदान से हटने के बाद सभी 9 सीटों पर सपा ने प्रत्याशी उतारते हुए जंग का एलान कर दिया है।

वहीं अगर बात बीजेपी की होगी तो बीजेपी ने आठ सीटों पर प्रत्याशी उतारे हैं और एक सीट आरएलडी को दी। भाजपा ने अपने अन्य किसी सहयोगी पार्टी के प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया। संजय निषाद लगातार चुनाव में एक टिकट के लिए लगे रहे लेकिन उनको टिकट नहीं मिला। प्रत्याशियों के सामने आने के बाद अब एक बार फिर PDA की ही चर्चा शुरु हो गई है। वैसे तो सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव लोकसभा चुनाव के बाद से लगातार PDA(पिछड़ा-दलित-अल्पसंख्यक) को ही आधार बनाकर चुनाव मैदान में है। अखिलेश के दांव की काट बीजेपी ने भी निकालने की कोशिश की है और इसी के चलते बीजेपी ने PDA का जवाब PDA से ही देने की कोशिश की लेकिन किसका PDA किस पर भारी पड़ेगा, यह तो चुनाव नतीजे ही बताएंगे। गौरतलब है कि यूपी उपचुनाव में चुनावी गहमागहमी के बीच सभी उम्मीदवारों ने नामांकन भरते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज करा दी है। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 में यूपी के 9 विधायक सांसद निर्वाचित हो गए थे, इसके बाद इन्होंने अपनी विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था, इसके चलते ये सीटें खाली हो गईं। जबकि, कानपुर की सीसामऊ सीट से सपा के विधायक रहे इरफान सोलंकी को गैंगस्टर मामले में सजा हो गई जिसके बाद कानपुर की सीसामऊ सीट भी खाली हो गई।

यूपी उपचुनाव में चुनावी गहमागहमी के बीच सभी उम्मीदवारों ने नामांकन भरते हुए दर्ज कराई उपस्थिति

इस बार उपचुनाव में दिखी राजनीतिक दलो सक्रियता

नामांकन के बाद लगभग सभी प्रत्याशी अब चुनावी मैदान में ताल ठोंकने लगे हैं। सपा और भाजपा ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट भी जारी कर दी है। दोनों पार्टियों के बड़े नेता जल्द ही आपको जनसभाएं और रोड शो करते दिखेंगे। दरअसल 31 अक्टूबर को दीवाली पड़ जाने से सारे बड़े नेता अभी जमीन पर प्रचार के लिए नहीं उतरते दिख रहे हैं सबको इंतजार है कि दीवाली पार हो जाए उसके बाद माहौल यूपी में सियासत गर्म होगी। ज्यादातर मामलों में उपचुनाव बहुत कम ही गंभीरता से लिए जाते हैं। यह सत्ताधारी पार्टी का एकतरफा खेल माना जाता है लेकिन यूपी उपचुनाव को लेकर इस बार राजनीतिक दलों में जो सक्रियता दिखाई दे रही है उसे देखकर लगता है कि यह उपचुनाव अपने आप में अब तक हुए उपचुनावों से बिलकुल अलग था। इस उपचुनाव में योगी आदित्यनाथ, राहुल गांधी, अखिलेश यादव और मायावती सबकी प्रतिष्ठा दांव पर है। 2027 का यूपी विधानसभा चुनाव अभी दूर है, लेकिन अभी से इस उपचुनाव को विधानसभा के सेमीफाइनल की तरह देखा जा रहा है। यही कारण है कि इसे जीतने के लिए सबने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है।

संजय निषाद पर उनकी ही पार्टी के नेता ने लगाए गंभीर आरोप

» हरिशंकर बिंद ने कहा कि टिकट के नाम पर उनसे 2 करोड़ रुपये की मांग की थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश की मझवां विधानसभा सीट पर भाजपा के उम्मीदवार की घोषणा के बाद निषाद पार्टी में बड़ा बवाल हो गया और बवाल इतना बढ़ गया कि इसकी जद में पार्टी के मुखिया संजय निषाद भी आ गए। यूपी की मंझवा सीट पर जैसे ही बीजेपी ने प्रत्याशी की घोषणा की वैसे ही बसपा छोड़कर निषाद पार्टी में शामिल हुए हरिशंकर बिंद ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया। इस्तीफा देने के बाद हरिशंकर बिंद ने पार्टी के मुखिया संजय निषाद पर गंभीर आरोप लगाए।

हरिशंकर बिंद ने कहा कि टिकट के नाम पर उनसे 2 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसमें से 15 लाख रुपये उन्होंने संजय निषाद को दिए लेकिन टिकट फिर भी नहीं मिला। बिंद ने कहा कि संजय निषाद ने उनका 'सौदा' किया है और घोषणा की है कि वह उपचुनाव में भाजपा के उम्मीदवार का खुलेआम विरोध करेंगे। हरिशंकर बिंद का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें वह संजय निषाद पर गंभीर आरोप लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब उनके (निषाद पार्टी के) खाते में सीट ही नहीं है तो हम लोगों से आवेदन के नाम पर पांच लाख रुपया क्यों लिया गया? पहले कन्फर्म होना चाहिए, उसके बाद आवेदन का पैसा लेना चाहिए? बिंद ने कहा कि हमसे कहा गया कि प्रयास करते रहिए मेहनत करते रहिए आपको टिकट मिलेगा। सर्वे की सारी रिपोर्ट हमारे पक्ष में गई थी लेकिन हमें सूत्रों से पता चला कि हम लोगों का सौदा किया गया है।

संजय निषाद की पत्नी को दिया पैसा

बिंद ने कहा कि हमको सबसे पहले दिल्ली बुलाया गया। प्रदेश सचिव बाबू लाल हमारे आवास पर आए और कहा कि संजय निषाद आपसे मिलना चाहते हैं। 2 जून को हम लोग दिल्ली गए। मुलाकात 3 जून को होती है, वहां पर संजय निषाद से बात हुई। उन्होंने कहा कि 6-7 दिन के बाद आप लखनऊ आइए। लखनऊ जाते हैं, वहां पीआरओ से कहते हैं कि आप इनका नामांकन करा दीजिए। हमने पूछा कि कितना पैसा जमा करना होगा तो बोले पांच लाख। हमने वहां पांच लाख रुपया कैश जमा किया। पैसा हमने संजय निषाद की पत्नी को दिया और आवेदन किया।

परिवारवाद की विरोधी बीजेपी अब हुई रिश्तेदारवादी : अखिलेश

» सपा के हक में होगा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मैनपुरी। मैनपुरी की करहल सीट से भाजपा का टिकट घोषित होने के बाद शुक्रवार को सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव बरनाहल के दिहुली पहुंचे। उन्होंने कहा कि भाजपा तो परिवारवाद का विरोध करती थी, अब रिश्तेदारवादी कैसे हो गई। जब भाजपा को कुछ नहीं मिला तो तिकड़म लगाकर टिकट दिया गया, जिससे सपा के लोग इसी का जवाब देते रहें।

करहल विधानसभा उपचुनाव के लिए बीजेपी उम्मीदवार अनुजेश यादव ने अपना पर्चा दाखिल कर दिया। अनुजेश यादव मुलायम सिंह यादव के दामाद और सपा सांसद धर्मेंद्र यादव के सगे बहनोई हैं। हालांकि धर्मेंद्र दावा करते हैं कि उनके जीजा से कोई रिश्ता नहीं है। करहल से फूफा और भतीजे के आमने-सामने चुनाव लड़ने पर अखिलेश यादव की तरफ से भी प्रतिक्रिया सामने आई है।

अखिलेश यादव ने कहा कि करहल का फैसला सपा के हक में होगा। लोकसभा चुनाव की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा ने कितनी बदसलूकी की थी, लेकिन जब परिणाम आए तो सपा ने जीत दर्ज की। केवल इस बार ही करहल सीट से तेज प्रताप यादव नहीं जीतेंगे, बल्कि 2027 के चुनाव में भी करहल सीट से सपा ही जीतेगी।

सपा देश की तीसरी शक्ति : अयोध्या सांसद

अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद ने भाजपा को निशाने पर लिया। कहा कि सपा उम्मीदवारों के सामने भाजपा उम्मीदवारों की जमानत जब्त होगी। सपा देश की तीसरी शक्ति है। सपा सांसद अवधेश ने कहा कि भाजपा सभी सीटों पर हारेगी। समाजवादी पार्टी सभी सीटों पर जीत दर्ज करेगी। उन्होने कहा कि पीडीए के मुद्द साफ हैं। पीडीए संविधान बचाना, प्रदेश का विकास, कानून-व्यवस्था, बेरोजगारी, छुट्टा जानवरों से आमजन को निजात दिलाने के लिए संघर्षरत है।

करहल से अनुजेश यादव पर बीजेपी ने खेला दाव

करहल से बीजेपी ने अनुजेश यादव को उम्मीदवार बनाया है। अखिलेश यादव की इस सीट पर बीजेपी के लिए मुकाबला मुश्किल माना जा रहा है। ऐसे में बीजेपी ने अनुजेश यादव पर दांव लगाया है। यह बीजेपी की यादव वोटों में सेंध लगाने की रणनीति है।

संजय राउत का शिंदे शिवसेना पर वार

'चर्चा के लिए दिल्ली जाकर उठक-बैठक करते हैं'

» कहा- शिंदे शिवसेना की कमान अमित शाह के पास

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र में अगले महीने विधानसभा चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर महाविकास अघाड़ी के बीच सीट बंटवारे पर शिवसेना (यूबीटी) संजय राउत ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने बताया कि सीट बंटवारे पर चर्चा लगभग समाप्त हो चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि गठबंधन में छोटी पार्टियों के साथ भी चर्चा की जाएगी। शिवसेना (यूबीटी) नेता ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर भी निशाना साधा। उन्होंने शिंदे की शिवसेना को नकली बताया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि शिवसेना चर्चा के लिए दिल्ली जाती है और वहां उठक-बैठक करती है।

संजय राउत ने कहा, एकनाश शिंदे के पास जो शिवसेना है, उसकी कमान दिल्ली में अमित शाह के पास है। बालासाहेब टाकरे की जो शिवसेना हमारे पास है, उन्हें कभी भी सीट बंटवारे के लिए दिल्ली जाने की जरूरत नहीं पड़ी। उन दिनों भाजपा नेता सीट बंटवारे पर चर्चा के लिए मुंबई आते थे। लेकिन, दिल्ली में नकली शिवसेना का मालिक बैठा है, इसलिए उन्हें चर्चा के लिए वहां जाना पड़ता है। वे वहां चर्चा के लिए जाते हैं और उठक-बैठक करते हैं। वे असली शिवसेना नहीं हैं। वे एक नॉन बायोलॉजिकल शिवसेना हैं। अमित शाह ने इस नॉन बायोलॉजिकल शिवसेना को जन्म दिया है।

महाराष्ट्र में एक ही चरण में होगा चुनाव

राज्य में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना, भाजपा और अजीत पवार की एनसीपी से मिलकर बनी महायुति सत्ता बरकरार रखने की कोशिश कर रही है, जबकि शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी (एसपी) और कांग्रेस की विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) इसे हटाने की कोशिश कर रही है। बता दें कि 288 सदस्यीय महाराष्ट्र विधानसभा के लिए चुनाव 20 नवंबर को एक ही चरण में होंगे, जबकि विधानसभा चुनाव के मतों की गिनती 23 नवंबर को होगी।

2019 में भाजपा को मिली थी सबसे ज्यादा सीटें

बता दें कि 2019 के विधानभा चुनावों में 288 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा को सबसे ज्यादा 105 सीटें मिली थीं। वहीं, भाजपा की सहयोगी पार्टी शिवसेना को 56 सीटें आई थीं। दूसरी ओर एनसीपी को 54 सीटें जबकि उसकी सहयोगी कांग्रेस को 44 सीटें मिली थीं।

पीडीपी की सभी इकाइयां भंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने बड़ा फैसला लिया है। महबूबा मुफ्ती ने तत्काल प्रभाव से पार्टी के पूरे ढांचे को भंग कर दिया है। इसके साथ उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ विचार-विमर्श के बाद नए पदाधिकारी, विभिन्न विंग और निकायों का गठन किया जाएगा।

जानकारी के लिए बता दें कि जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में 90 सीटों में नेशनल कॉन्फ्रेंस-कांग्रेस गठबंधन को 49 सीटें मिली थी और वहीं भाजपा 29 सीटों पर ही सिमट गई। जबकि पीडीपी को तीन और आम आदमी पार्टी को एक सीट पर जीत हासिल हुई। वहीं अन्य के खातों में सात सीटें गईं।

आरएसएस की बैठक में संघ प्रमुख भागवत ने दिया ये संदेश

'सामाजिक समरसता सर्वोपरि'

» कई मुद्दों पर तय किए गए लक्ष्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मथुरा। मथुरा के फरह कस्बा के परखम में शुक्रवार को आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने संदेश दिया कि सामाजिक समरसता सर्वोपरि है। संघ को इसी पर फोकस करना है। खास तौर पर दशहरे तक पूरे देश में इसी एजेंडे पर काम करना है।

बैठक में देशभर से आए 46 प्रांतों के 393 पदाधिकारियों के साथ उन्होंने मंथन कया। नौ घंटे तक चली इस बैठक में अन्य मुद्दों पर भी गंभीरता से बात हुई। परखम के दीनदयाल गो

विज्ञान अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र में संघ का 10 दिवसीय शिविर चल रहा है। कार्यकारी मंडल की बैठक में शुक्रवार को संघ प्रमुख ने विस्तार से सभी पदाधिकारियों से बात की। संघ के एजेंडे को देश के कोने-कोने तक पहुंचाने व सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा की गई। सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने भी कई अहम मुद्दों पर रोशनी डाली। बैठक में सामाजिक समरसता के साथ ही अन्य मुद्दों पर बात हुई। जैसे शताब्दी वर्ष में हर गांव, हर घर में स्वयंसेवक हों। समाज को जातियों में बांटने से रोकना, राष्ट्रीय मुस्लिम मंच की मदद से मुस्लिम समाज को जोड़ना, राष्ट्र सेविका समिति की मदद से महिलाओं को आगे लाने जैसे मुद्दों पर मंथन हुआ। प्रत्येक गांव में शाखाएं लगाने जैसे मुद्दों पर भी लक्ष्य तय किए गए। बैठक में सह सरकार्यवाह, क्षेत्र संघचालक, क्षेत्र कार्यवाह और क्षेत्र प्रचारक समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। यह बैठक सुबह नौ बजे से तीन सत्रों में शाम आठ बजे तक आयोजित की गई।

मंत्री ने महिला मजदूरों के साथ खाई दाल-रोटी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर आज अपने विधानसभा क्षेत्र के देवली खुर्द गांव में आयोजित सरकार आपके द्वार समस्या समाधान शिविर में शामिल होने पहुंचे। मार्ग में भावपुरा गांव में श्री बालाजी मंदिर पर रुककर मंत्रीजी ने बालाजी महाराज के दर्शन किए। इस दौरान खेत में काम कर रही मजदूर महिलाओं ने मंत्रीजी को अपनी समस्याएं बताई।

उन्होंने बड़ी सहजता के साथ जमीन पर बैठकर सभी महिलाओं की बात सुनी। बातों-बातों में महिलाओं ने मंत्रीजी को बताया कि सुबह-सवेरे काम पर निकल जाती हैं और भोजन भी खेत पर ही करती हैं। उन्होंने पूछा कि मुझे खाना खिलाओगी, इस पर महिलाएं खामोश हो गईं। फिर एक महिला ने कहा, आप हमारा बनाया भोजन खाओगे। दिलावर ने महिला के इस प्रश्न पर हां कहा और महिला मजदूरों के साथ बैठकर उनके टिफिन से दाल-रोटी खाई। मंत्रीजी को अपने हाथों से बना भोजन करते देख महिलाएं बहुत प्रसन्न और आश्चर्यचकित थीं। महिलाओं ने भावुक होकर कहा कि ये छै म्हा क जैसा गरीब लोगां का असली नेता।

यूपी उपचुनाव : अखिलेश यादव ने नई जनरेशन के नेताओं को किया लांच

सपा प्रमुख ने पिता मुलायम सिंह के करीबियों को दिया टिकट

» जातीय समीकरण का पूरा ध्यान रखा

» कई उम्मीदवार पूर्व नेताओं के परिवार से हैं शामिल

» सीसामऊ सीट भी चर्चा में

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सपा के बाद अब बीजेपी और बसपा ने भी कैंडिडेट घोषित कर दिए हैं। समाजवादी पार्टी ने गाजियाबाद और खैर सीट पर भी अपना उम्मीदवार उतार दिया है। समाजवादी पार्टी उपचुनाव में जीत दर्ज करने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है। यही वजह है कि सपा मुखिया अखिलेश यादव ने एक-एक सीट पर जातीय समीकरण समेत सभी समीकरणों को ध्यान में रखते हुए उम्मीदवारों का चयन किया है। समाजवादी पार्टी ने कई सीट पर सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव के समय के नेताओं के बेटे-बेटी या उनकी बहू को टिकट देकर नई जनरेशन के नेताओं को लांच कर दिया है।

दरअसल यूपी में करहल, खैर, गाजियबाद, सीसामऊ, कटेहरी समेत कुल 9 विधानसभा सीट उपचुनाव होने जा रहे हैं। इन सभी सीटों पर 13 नवंबर को वोटिंग होनी है। समाजवादी पार्टी ने अधिकतर सीट पर कैंडिडेट घोषित कर दिए हैं। सपा लोकसभा चुनाव के परफॉर्मेंस को यूपी उपचुनाव में दोहराना चाहती है। इसीलिए अखिलेश यादव ने अधिकतर सीट पर ऐसे नेताओं पर दांव खेला है जो जातीय समेत सभी समीकरणों में फिट बैठे हैं। साथ ही जिन नेताओं का अपना खुद का क्षेत्र में प्रभाव है। इसमें कई उम्मीदवार किसी बड़े नेता के बेटे या बहु है, या फिर किसी नेता की पत्नी हैं। वहीं सपा ने अखिलेश यादव की करहल सीट से मुलायम सिंह यादव के पोते और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के दामाद तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया है। सपा ने कटेहरी सीट से सपा सांसद और वरिष्ठ नेता लालजी वर्मा की पत्नी शोभावती वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। लालजी वर्मा के अंबेडकर नगर सीट से सांसद बनने के बाद कटेहरी सीट खाली हो गई थी।

इसी तरह मिर्जापुर की मझवां सीट से पूर्व सांसद रमेश बिंद की बेटी को कैंडिडेट घोषित किया है। कानपुर की सीसामऊ सीट पर इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को प्रत्याशी बनाया है। सीसामऊ सीट से सपा विधायक इरफान सोलंकी को सजा होने के बाद ये सीट खाली हो गई थी, जिसपर अब उपचुनाव हो रहा है।

5 सीट पर महिला उम्मीदवार

सपा ने अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर सपा सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है। हालांकि इस सीट पर अभी चुनाव नहीं होना है। मीरापुर सीट से पूर्व सांसद कादिर राणा की बहू सुम्बुल राणा को कैंडिडेट बनाया है। इस तरह समाजवादी पार्टी ने 9 में से 4 से 5 नई जनरेशन के नेताओं को टिकट थमाया है, जबकि कुल 5 सीट पर महिलाओं को उम्मीदवार बनाया है। साथ ही सपा की उम्मीदवारों की लिस्ट में पीडीए का फार्मूला भी देखने को मिला है। सपा ने कुल 10 सीट पर उम्मीदवार उतारे हैं। जिसमें सबसे ज्यादा 4 मुस्लिम को टिकट दिया है। तीन पिछड़ें, दो दलित और एक यादव को प्रत्याशी घोषित किया है।

इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम को दिया टिकट

वरिष्ठ पत्रकार सुरेश बहादुर सिंह ने बताया कि समाजवादी पार्टी उपचुनाव में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती थी, इसीलिए ऐसे उम्मीदवारों को टिकट दिया है जो खुद या तो क्षेत्र में प्रभावशाली हैं या फिर उनके परिवार वाले क्षेत्र में अच्छी खासी पैठ रखते हैं। इरफान सोलंकी की पत्नी नसीम सोलंकी को टिकट देकर सपा उस सीट पर सहानुभूति बटोरना चाहेगी। इसी तरह कटेहरी सीट बैकवर्ड बाहुल्य सीट है ऐसे में एक तरह से ये सीट लालजी वर्मा की बिरादरी की सीट रही है। लालजी वर्मा प्रभावशाली नेता है, इसलिए सपा ने उनकी पत्नी पर दांव खेला है। उन्होंने कहा कि ये सिर्फ सपा ही नहीं बल्कि बीजेपी ने भी मजबूत उम्मीदवार को उतारा है, जो जातीय और राजनीतिक

समीकरण के खांचे में फिट बैठे है और खुद अपने दम पर कुछ वोट हासिल कर सकने वाले दावेदार को ही उम्मीदवार बनाया है।

जिताऊ उम्मीदवारों पर दांव

सुरेश बहादुर सिंह ने बताया कि सपा और बीजेपी ने उपचुनाव को अपनी प्रतिष्ठा का चुनाव बना लिया है, इसलिए दोनों दलों ने जिताऊ उम्मीदवार उतारे है। उम्मीदवारों के चयन में सपा ने जातीय समीकरण समेत सभी समीकरण देख कर कैंडिडेट उतारे हैं। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद हो रहे उपचुनाव में भी समाजवादी पार्टी बीजेपी को शिकस्त देने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, सपा उपचुनाव में ज्यादा से ज्यादा सीट जीतकर ये मैसेज देना चाहती है कि लोकसभा चुनाव में पार्टी जनाधार हवा नहीं बढ़ा था बल्कि उसके लिए मेहनत की थी। दोनों दलों में ज्यादा से ज्यादा सीट जीतने की चुनौती है।

अखिलेश का जीत वाला मंत्र

अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए साफ किया कि बात सीट की नहीं जीत की है। इस रणनीति के तहत 'इंडिया गठबंधन' के संयुक्त प्रत्याशी सभी 9 सीटों पर समाजवादी पार्टी के चुनाव चिन्ह 'साइकिल' के निशान पर चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि ये देश का संविधान, सौहार्द और [illegible] का मान-सम्मान बचाने का चुनाव है। अखिलेश के बयानों को कांग्रेस अन्य राज्यों में आधार बना सकती है, जहां पर पार्टी का कैडर कुछ खास नहीं है। साथ ही, अखिलेश की चुनौती विधानसभा चुनाव 2027 के दौरान भी बढ़नी तय है।दरअसल, यूपी की 10 सीटों पर उपचुनाव होना । इसमें मैनपुरी की करहल, कानपुर की सीसामऊ, प्रयागराज की फूलपुर, अंबेडकरनगर की कटेहरी, मिर्जापुर की मझवां, अयोध्या की मिल्कीपुर, गाजियाबाद सदर, अलीगढ़ की खैर, मुजफ्फरनगर की मीरापुर और मुरादाबाद की कुंदरकी सीट शामिल हैं। अयोध्या की मिल्कीपुर सीट को छोड़कर सभी 9 सीटों पर उपचुनाव होना है।

चुनौतियां और भी हैं

अखिलेश यादव ने अभी तो विधानसभा उपचुनाव को लेकर अपनी रणनीति साफ कर दी है। दरअसल, लोकसभा चुनाव 2024 के पहले हुए उपचुनावों में कांग्रेस और बसपा किनारे ही रह रही थी। लेकिन, लोकसभा चुनाव ने कांग्रेस को प्रदेश में नई जान फूंकी है। 6 सीटों पर जीत से उत्साहित पार्टी अब उपचुनाव के रिजल्ट पर गौर करेगी। अगर सपा अपने हिस्से की 5 जीतने में सफल रहती है और एनडीए के पाले की सीटों में सेंधमारी कर देती है तब तो पार्टी अभी शांत रहेगी। लेकिन, सपा का प्रदर्शन अगर कमजोर हुआ तो कांग्रेस का हमला बढ़ेगा। कांग्रेस ने 5 सीटों पर दावेदारी से साफ कर दिया है कि पार्टी यूपी में बराबरी की हिस्सेदारी चाहती है। असर यूपी चुनाव 2027 में दिखेगा। अगर गठबंधन चलता है तो कांग्रेस उसमें भी आधी सीटों पर दावा कर देगी। राजनीतिक जानकारों का कहना है कि उपचुनाव में कांग्रेस का कदम पीछे खींचना अखिलेश यादव के गठबंधन पॉलिटिक्स पर असर डाल सकती है।

कांग्रेस ने कदम पीछे किए

सपा पहले से महाराष्ट्र में पांच सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान कर चुकी है। एमवीए के तीनों सहयोगी दलों कांग्रेस, शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट और एनसीपी शरद पवार गुट के बीच 85-85 सीटों पर समझौता होता दिख रहा है। ऐसे में सपा के पाले में कितनी सीटें जाएंगी, यह कांग्रेस तय करेगी। यूपी में कांग्रेस ने त्याग वाला रुख अपनाया है। इसके पीछे का कारण कांग्रेस की हारी सीटों पर दांव लगाने से बचने की रणनीति माना जा रहा है। दरअसल, अखिलेश यादव ने कांग्रेस के लिए गाजियाबाद सदर और अलीगढ़ की खैर विधानसभा सीट छोड़ी थी। तमाम राजनीतिक रणनीतिकार और कांग्रेस पार्टी भी दोनों को ऐसी सीट मान रही थी, जिसे कांग्रेस के लिए जीतना लगभग नामुमकिन था। भाजपा इन सीटों पर लगातार जीत दर्ज करती रही है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

स्वस्थ रहना है तो भ्रष्टाचार से दूर रहना होगा

रीब एक दशक पूर्व राम सिंह ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते थे। तब उनकी उम्र 82 वर्ष थी। उन्होंने ये पदक दो सौ और पांच हज़ार मीटर की रेस में जीते थे। वे बयासी वर्ष की उम्र में भी युवा जैसी दौड़ लगाते थे। इसके साथ ही उन्होंने राज बताते हुए कहा था कि वे भ्रष्टाचार से सदैव दूर रहते आए हैं। यह मन को बीमार कर देता है। स्वस्थ रहना है तो भ्रष्टाचार से दूर रहना होगा।

इस घोर कलयुग के दौर में खतरनाक मानसिक रोग, अवसाद, डिप्रेशन, शरीर को खोखला कर मस्तिष्क रूपी तवा की हवा निकालकर तबाह कर देंगे। झूठी वाह वाह करने वाले लोग गलत राह दिखाएंगे। कलयुग में सबके दिमाग में क्रोध, अहंकार, अंधकार और अज्ञानता रूपी आग भरी रहेगी। आदमी घरवाली के हाथ का साग स्वादिष्ट नही लगेगा। कहा जाता है 'भ्रष्टाचारी सदा सुखी' वाली बात चरितार्थ होती है, लेकिन कोई यह कहे कि स्वस्थ रहना है तो भ्रष्टाचार से दूर रहना होगा! तब जरा आश्चर्य होता है। करीब एक दशक पूर्व राम सिंह ने राष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स स्पर्धा में दो स्वर्ण पदक जीते थे। तब उनकी उम्र 82 वर्ष थी। उन्होंने ये पदक दो सौ और पांच हजार मीटर की रेस में जीते थे। वे बयासी वर्ष की उम्र में भी युवा जैसी दौड़ लगाते थे। इसके साथ ही उन्होंने राज बताते हुए कहा था कि वे भ्रष्टाचार से सदैव दूर रहते आए हैं। यह मन को बीमार कर देता है। स्वस्थ रहना है तो भ्रष्टाचार से दूर रहना होगा।

बीते दस वर्ष में भले ही दुनिया बदल गई है किन्तु भ्रष्टाचार के प्रति आस्था और आसक्ति यथावत जान पड़ती है। लोगों को जो हाथ लग रहा है, लपक ले रहे हैं। व्यापारी की तासीर ही लूटने की है। इस तरह से ग्राहक बुरी तरह से लुटे जा रहे हैं। वहीं अमीर बेचैन बिस्तर पर लूटने की तरकीबें सोच रहा है। दूसरी तरह आम आदमी परेशान है और जुगाड़ू तरकीबें तलाश रहा है। सरकारी योजनाओं से ओहदेदारों की उगाही की फसलें लहलहा रही हैं। यूं तो आम धारणा है कि भ्रष्टाचार से बीमार का मन मतंगा हो जाता है। ईमानदारी तेल लेने निकल जाती है। भ्रष्टाचार के अचार के साथ नोट सूतने का आनंद निराला होता है। स्वास्थ्य बेहतर रहता है! जठराग्नि तीव्र हो जाती है। भूख परवान चढ़ने लगती है। व्यक्ति अखाद्य के भक्षण और उसे पचा जाने की सामर्थ्य को प्राप्त होता है। वह ईंट, गिट्टी, सीमेंट, रेत जैसी चीजें उदरस्थ करने लगता है। वहीं इन सब चीजों को देखते हुए बहरहाल, जनकलाल को एक ठेकेदार गली में मिल गया। उन्होंने पूछा, 'क्या बात है, तबीयत ठीक नहीं है क्या?' वह चुप रहा और उत्तर में सिर हिला दिया, जिसका मतलब हां था। जनकलाल ने उसे मुफ्त की सलाह दे डाली, 'कोई गंभीर बात तो नहीं है ठेकेदार जी? न हो तो डॉक्टर को दिखा लो। यह सब सुनते हुए ठेकेदार क्रोधित हो गया और बोला, 'नहीं जी, सब ठीक है। बस एक बड़ा ठेका अपने हाथ से निकल गया है।' जनकलाल ने दुखी होने का अभिनय किया, क्योंकि वह जानते हैं कि जिसे मोटी कमाई की लत लग जाती है उसकी तबीयत कमाई में तनिक भी कमी हो तो गड़बड़ा जाती है। उसकी रिश्चत की डायबिटीज और मुफ्तखोरी का बीपी हाई हो जाते हैं। बेचारे बीमारों का 'बिन भ्रष्टाचार सब सून' होता है। ऐसे में चारों तरफ असत्य छल, कपट, बेईमानी का बोलबाला है। सत्य की राह पर चलने वाले व्यक्ति परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं !

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

हिंद-प्रशांत इलाके में भारतीय कूटनीतिक बढ़त

पुष्परंजन

'इंडो-पैसिफिक' नाम से ही स्पष्ट है, हिंद और प्रशांत महासागर की जद में आने वाले देश। हिन्द-प्रशांत में 40 देश और अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, ब्रुनेई, कंबोडिया, दोनों कोरिया, भारत, इंडोनेशिया, जापान, लाओस, मलयेशिया, मालदीव, मंगोलिया, म्यांमार, नेपाल, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, चीन, फिलीपींस, सिंगापुर, श्रीलंका, ताइवान, थाईलैंड, पूर्वी तिमोर और वियतनाम। इन 26 देशों के साथ प्रशांत द्वीप के 14 देशों को जोड़ लीजिये, जिसमें अमेरिका का हवाई वाला इलाका भी शामिल है। प्रशांत द्वीप समूह पश्चिम में इंडोनेशिया से लेकर पूर्व में ईस्टर द्वीप तक वृहदाकार इलाके में 20,000 से अधिक द्वीप शामिल हैं, जिनमें इंडोनेशिया और पापुआ न्यू गिनी द्वारा साझा किया जाने वाला सबसे बड़ा द्वीप, 'न्यू गिनी' भी है। जिन महाशक्तियों ने लम्बे समय तक इस इलाके को काबू में रखा, उनके लिए अपना प्रभाव बनाये रखने की चुनौती है। अमेरिका इसी सिंड्रोम से गुजर रहा है।

जो बाइडेन जब सत्ता में आये, उसके कुछ महीनों बाद हिन्द-प्रशांत नीतियों को रिव्यू करने का आदेश व्हाइट हाउस ने सीआईए को सौंपा था। मार्च, 2021 में सीआईए के निदेशक के रूप में नियुक्त बिल बर्न्स, इंडो-पैसिफिक के रणनीतिकार थे। जुलाई, 2021 में सीआईए ने एक विस्तृत रिपोर्ट दी। इंडो-पैसिफिक में चीन के प्रभाव को कैसे कम करें, उसकी योजना बनी। लेकिन चार वर्षों में निराशा ही हाथ लगी। जापान में लगभग 55 हजार अमेरिकी सैन्यकर्मी, दक्षिण कोरिया में 28, हजार, ऑस्ट्रेलिया, फिलीपींस, थाईलैंड और गुआम में कई हजार अमेरिकी सैनिक तैनात हैं। अपर्याप्त बजट, प्रतिस्पर्धी प्राथमिकताओं और चीन से निपटने के तरीके पर वाशिंगटन में आम सहमति की कमी के कारण इन्हें मेंटेन करना भारी पड़ रहा है। यों, कहने के लिए पेंटागन ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और अंतरिक्ष-आधारित प्रणालियों जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में निवेश को बढ़ा दिया है।

लेकिन, आप भारत जैसे दोस्त के साथ सिख आतंकवाद के इश्यू पर जस्टिन ट्रूडो जैसी शख्सियत की तरफदारी करें, तो नई दिल्ली को पाला बदलने में कितनी देर लगेगी? दरअसल, यही हुआ है। शी, ताइवान के प्रति अपने व्यवहार में बदलाव ला रहे हैं। दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों का निर्माण और सैन्यीकरण चीन कर रहा है। चीन ने कंबोडिया में एक विस्तारित नौसैनिक बंदरगाह पर भी काम

शुरू किया है, जो किसी अन्य एशियाई देश में उसका पहला सैन्य अड्डा बन सकता है। सोलोमन द्वीप के साथ एक सुरक्षा समझौता, इसी तरह की कूटनीतिक कोशिशों का हिस्सा है। पेइचिंग, अन्य प्रशांत देशों को आक्रामक रूप से लुभाने की कोशिश कर रहा है। क्या इस 'कूटनीतिक बिलियर्ड' को पुतिन खेल रहे हैं? इसके विपरीत, अमेरिका मध्य पूर्व संघर्षों में अपरोक्ष रूप से उलझ चुका है। अफगानिस्तान से सैनिकों की वापसी के बाद, अमेरिकी टैक्स पेयर्स राहत की सांस लेने ही वाले थे, कि जो बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन का मोर्चा खोल दिया। यूक्रेन को 54 अरब डालर की प्रतिबद्धता अमेरिकी टैक्स पेयर्स को चुभने लगी है। अमेरिकी अधिकारी इस बात से जूझ रहे हैं, कि एक ही समय में चीन और रूस से कैसे निपटें? जो आमतौर पर जेरे बहस नहीं होती, वो हैं पुतिन की खामोश चालें। हिन्द-प्रशांत समेत दक्षिण-पश्चिम एशिया में जो रणनीतिक बदलाव आ रहा है, उसमें 'मास्को-पेइचिंग नेक्सस' की बड़ी भूमिका है। पुतिन और शी यदि प्रच्छन्न हैं, तो मोदी बिलकुल प्रत्यक्ष रूप से कूटनीति के अखाड़े में हैं। पुतिन और शी ने दक्षिण-पूर्व से लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक रणनीतिक बदलाव किया है, तो पीएम मोदी ने भी अपने आपको बदला है। कल तक मोदी इस इलाके में दक्षिणपंथ के नायक माने जाते थे। ऐसे दक्षिणपंथ के कट्टर नायक ने क्यों वामपंथी शासकों को गले लगाया है? यह भी तो विमर्श योग्य प्रश्न है। केपी शर्मा ओली और मोदी का खटराग अब आप नहीं सुनेंगे। 3 सितंबर, 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से न्यूयार्क में मुलाकात की।

दोनों नेता भरत-मिलाप की मुद्रा में थे। उनके बीच उभयपक्षीय बैठक ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, और व्यापार पर केंद्रित थी। बयान दिया कि भारत-नेपाल मित्रता बहुत मजबूत है, और हम अपने संबंधों को और भी गति देने के लिए तत्पर हैं। पीएम ओली के लिए अब लिपुलेख मुद्दा नहीं रहा। आप फिर श्रीलंका के वामपंथी नेताओं की बात करें। वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना (जेवीपी) के नेता अनुरा कुमारा दिसानायक चुनाव से पहले अपने पूरे जत्थे के साथ भारत आये थे। उन्हें सत्ता में आने के वास्ते, क्या कुछ मदद मोदी शासन ने दी थी, उसकी चर्चा फिर कभी। इस बार श्रीलंका, मालदीव हो, या नेपाल, या फिर बांग्लादेश, भारत और चीन के बीच ठीक से झांकिये, तो शत्रु भाव नहीं, क्षेत्रीय सहयोग का समभाव पैदा हुआ है। भारत से आड़े-तिरछे चलने वाले मुइज़्ज़ू, भीगी बिल्ली क्यों बन गए? इस्लामाबाद नई दिल्ली को गले लगाने के वास्ते क्यों आतुर है? इन तमाम सवालों के उत्तर ढूंढ़ने की आवश्यकता है।

कृषि व किसान को समृद्ध करने का मंत्र

मधुरेन्द्र सिन्हा

भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है। नि:संदेह, इस क्षेत्र में वह क्षमता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच खरब डॉलर के लैंडमार्क तक ले जा सकता है।इसे ही ध्यान में रखकर वर्ष 2021 में एक नया स्वतंत्र मंत्रालय बनाया गया, जिसे सहकारिता मंत्रालय का नाम दिया गया। इसकी कमान गृह मंत्री के हाथों में सौंपी गई।

भारत को 2028 तक पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का इरादा है, और इसमें जिन तत्वों और सेक्टर के योगदान की जरूरत पड़ेगी, उनमें एक है सहकारिता क्षेत्र। यह भारतीय कृषि की रीढ़ है और इससे ही कृषि और कृषक समृद्ध हो रहे हैं। दुनियाभर में जितने भी सहकारिता संगठन हैं, उनका 27 फीसदी अकेले भारत में है, और उससे देश की कुल जनसंख्या का 20 फीसदी हिस्सा जुड़ा हुआ है। देश में इस समय कुल 8.55 लाख को-ऑपरेटिव सोसायटीज हैं और इनमें 29 करोड़ लोग सीधे तौर से शामिल हैं, जिन्हें इससे रोजगार और वित्तीय सुरक्षा मिलती है। विश्व के सबसे बड़े 300 को-ऑपरेटिव में भारत के इफको, कृभको और अमूल इसका जीता-जागता उदाहरण हैं। इन्होंने करोड़ों भारतीयों को न केवल रोजगार दिया है बल्कि उन्हें सम्मानजनक जिंदगी भी दी है।

भारत का सहकारिता क्षेत्र कृषि ऋण देने में भी ऊंचा स्थान रखता है। भारत के कुल कृषि ऋण का 20 फीसदी इस क्षेत्र के जरिये बंटता है। कृषि उत्पादन में भी इसका बड़ा योगदान है और हमारी कुल कृषि उपज का 21 फीसदी इसी क्षेत्र से आता है। भारत की चीनी मिलों के बारे में तो सभी जानते हैं। को-ऑपरेटिव सेक्टर की चीनी मिलें कुल चीनी का 31 फीसदी उत्पादित करती हैं। गेहूं और चावल की खरीद में भी इस क्षेत्र का बड़ा योगदान है। नि:संदेह, इस क्षेत्र में वह क्षमता है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था को पांच खरब डॉलर के लैंडमार्क तक ले जा सकता है। इसे ही ध्यान में रखकर वर्ष 2021 में एक नया स्वतंत्र मंत्रालय बनाया गया, जिसे सहकारिता मंत्रालय का नाम दिया गया। इसकी कमान गृह मंत्री के हाथों में सौंपी गई। मंत्रालय का जोर कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के अलावा उसे सशक्त बनाने पर है और उसमें उसे सफलता मिल रही है। इस मंत्रालय ने एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य सामने रखा है और वह देश की दो लाख पंचायतों में अगले पांच वर्षों में बहूद्देशीय प्राथमिक क्रेडिट सोसायटियों यानी पैक्स का गठन करने के महत्वपूर्ण कार्य में जुटा हुआ है। इनमें से अब तक 12,000 से भी ज्यादा का पंजीकरण हो चुका है और शेष इसी रास्ते पर हैं।

दरअसल, सहकार से समृद्धि का जो विजन रखा गया है उसके लिए देश में सहकारिता आंदोलन को बढ़ावा दिया जा रहा है ताकि देश में यह स्थायित्व को बढ़ावा दे, जो आगे चलकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इन नये पैक्स, डेयरी तथा मत्स्य पालन सहकारिता सोसायटीज को हर पंचायत में गठित किया जा रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी। सहकारिता मंत्रालय ने नाबार्ड, एनडीडीबी और एनएफडीबी के साथ मिलकर उन पंचायतों में, जो अभी इसके अंतर्गत नहीं आई हैं, बड़ी संख्या में छोटे तथा सीमांत किसानों को जोड़ना शुरू कर दिया है। इसका ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर जबर्दस्त असर पड़ेगा। प्राथमिक कृषि क्रेडिट सोसायटीज को 300 तरह की ई-सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है जिनमें बैंकिंग, बीमा, आधार पंजीकरण और उनके अद्यतन की व्यवस्था है।

अगले पांच वर्षों में मंत्रालय 70,000 नये बहूद्देशीय पैक्स गठित करने के लक्ष्य पर काम कर रहा है। इसके अलावा, वह बड़े पैमाने पर नये बहूद्देशीय डेयरी को-ऑपरेटिव सोसायटीज और 6,000 नये मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी स्थापित करना चाहता है। वर्तमान के 46,500 डेयरी को-ऑपरेटिव और लगभग 5,500 मत्स्य पालन को-ऑपरेटिव भी मजबूत किये जायेंगे। इसके लिए प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना सहित कई स्कीमों की मदद ली जायेगी। इसके साथ ही 25,000 नये पैक्स, डेयरी और मत्स्य को-ऑपरेटिव गठित करके राज्य सरकारें भी इस दिशा में योगदान करेंगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2025 को संयुक्त राष्ट्र ने सहकारिता का वर्ष घोषित किया है। उस साल का थीम होगा -को-ऑपरेटिव बनाते हैं एक बेहतर दुनिया।

इसके लिए राजधानी दिल्ली में नवंबर महीने में इसका बाकायदा उद्घाटन होगा। भारत को-ऑपरेटिव सेक्टर में सबसे बड़ी विकेन्द्रित अनाज भंडारण योजना पर काम कर रहा है। इसमें 27 राज्य और केन्द्रशासित राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर के सभी बड़े को-ऑपरेटिव फेडरेशन आयेंगे। इसने व्हाइट रिवोल्यूशन 2.0 को भी सभी के सामने रखा है। यह नई श्वेत क्रांति महिलाओं का सशक्तीकरण करेगी, रोजगार बढ़ायेगी और सहकारिता का दायरा फैलायेगी। ऐसी योजना है कि पांचवें वर्ष तक डेयरी को-ऑपरेटिव ही अकेले 1,000 लाख किलोग्राम दूध हर दिन इकट्ठा करें। इससे गोपालकों की आय बढ़ेगी और रोजगार भी बढ़ेगा। सहकारिता मंत्रालय की कोशिश है कि भारत दुग्ध प्रसंस्करण उपकरणों का सबसे बड़ा निर्माता भी बने। सहकारिता मंत्रालय अन्नदाताओं को ऊर्जादाता बनने के लिए प्रेरित कर रहा है। अगर किसानों को इस दिशा में प्रेरित किया जा सकेगा तो वे 10 लाख करोड़ रुपये तक के इम्पोर्ट बिल को कम कर सकते हैं। इसके लिए किसान कृषि अवशेषों से ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत तैयार करें। इससे उनकी आय भी बढ़ेगी और ग्लोबल वार्मिंग को नियंत्रित करने में मदद भी मिलेगी।

खाने के शौकीन हैं तो यहां जाएं घूमने

पेट के साथ मन भी हो जाएगा खुश

इस दुनिया में कई प्रकार के आदमी होते हैं। बहुत से लोग होते हैं जो सिर्फ जीने के लिए खाते हैं, वहीं बहुत से लोग ऐसे होते हैं, जो खाने के लिए जीते हैं। ऐसे लोग जहां जाते हैं, सबसे पहले खाने-पीने की जगहों को तलाशते हैं। उन्हें हर जगह मिलने वाले बेस्ट पकवानों की पूरी जानकारी होती है। अगर आप भी उन्हीं लोगों में से हैं, जिन्हें तरह-तरह का खाना पसंद है तो भारत के इन शहरों में घूमने का प्लान अवश्य बनाएं। इन सभी शहरों में घूमने की भी कई जगह हैं। ऐसे में आप खाते-पीते घूम कर अपना मन भी बहला सकते हैं। भारत के इन प्रमुख शहरों दिल्ली, लखनऊ, कोलकाता और मुंबई प्रमुख हैं जहां का खाना काफी लजीज होता है।

दिल्ली के छोले भटूरे

देश की राजधानी दिल्ली शहर में घूमने की कई जगहें हैं। एतिहासिक इमारतों के साथ-साथ दिल्ली के खाने की भी अपनी अलग पहचान है। चाहे वह पुरानी दिल्ली की गलियों में मशहूर चाट हो या फिर छोले भटूरे और पराठे हों। इसके साथ-साथ दिल्ली का बटर चिकन भी काफी फेमस है।

अमृतसर

अगर पंजाबी तड़का पसंद है और पंजाब का असल स्वाद चखना है तो प्लान बनाएं अमृतसर जाने का। अमृतसर की गलियों में आपको असल पंजाबी स्वाद का असली आनंद मिलेगा। यहां का अमृतसरी कुलचा और लस्सी काफी मशहूर है। इसके अलावा आप यहां आकर मक्के दी रोटी और सरसों दा साग का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

लखनऊ के कवाब पराठे

अगर खाने की बात को लखनऊ का जिक्र न हो, तो ये तो नाइंसाफी होगी। लखनऊ का नाम जुंबा पर आते ही कबाब और बिरयानी का ख्याल दिमाग में आने लगता है। कबाब और बिरयानी के साथ-साथ यहां मिलने वाला वेज कबाब पराठा भी आपका मन खुश कर देगा। क्या आपको पता है कि वेज कबाब रोल और पराठा बनाने की शुरुआत कहां से हुई। अगर नहीं तो हम आपको बताते हैं। लखनऊ में एक जगह है जिसका नाम है कपूरथला। यहीं पर देवा फूड मार्ट नाम का एक रेस्टोरेंट है। इसी रेस्टोरेंट में वेज कबाब पराठा बनाने की शुरुआत की गई थी। इस जगह अवध का सबसे लजीज वेज कबाब पराठा मिलता है। इस वेज कबाब पराठे की एक सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसमें दो तरह की दालें मिलाई जाती हैं, जिसमें पहली चने की और दूसरी मसूर की दाल होती है।

कोलकाता के रस्गुल्ले

अगर मिठाईयां पसंद हैं तो एक बार कोलकाता जाने का प्लान अवश्य बनाएं। मिठाईयों में रसगुल्ला बहुत ही फेमस हैं। मिठाईयों के साथ-साथ कोलकाता अपने बंगाली भोजन के लिए प्रसिद्ध है। यहां की मिठाइयों और मछली के व्यंजनों का स्वाद लेने के लिए आपको यहां जरूर आना चाहिए।

मुंबई की पाव भाजी

अगर स्ट्रीट फूड खाने का शौक है तो बिना सोचे मुंबई घूम आइए। बेहद कम रुपये खर्च करके आप यहां सड़कों पर ही वड़ा पाव, पाव भाजी, भेल पुरी और पानीपुरी जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं। ये स्ट्रीट फूड आपका दिल जीत लेंगे। यहां तक कि जब आप देर रात क्लबिंग कर रहे होते हैं। कुछ स्टॉल और विक्रेता रात के समय में स्वादिष्ट पाव भाजी बेचते हैं। एक व्यक्ति इससे ज्यादा और क्या मांग सकता है?... मुंबई में ज्यादातर लोग दोपहर या रात के खाने में पाव भाजी खाते हैं। चूंकि पाव भाजी एक भारी नाश्ता है।

हंसना मना है

एक बच्चा अपने पिता से पूछता है, पापा, ये स्कूल क्या होता है? पिता ने कहा, बेटा, स्कूल वह जगह है जहां तू अपनी गेंद और दिमाग दोनों खो सकता है!

एक शराबी आधी रात को पुलिस स्टेशन पहुंचा। उसे देखकर ड्यूटी पर मौजूद इंस्पेक्टर कड़क कर बोला-इतनी शराब पीकर तुम्हें पोलिस थाने आते हुवे डर नहीं लगा? शराबी बहकते हुए बोला-अच्छा मुझे पता नहीं था कि यहां भी मेरी बीवी का कोई रिश्तेदार होगा।

एक अनपढ़ लड़की की शादी कुछ ज्यादा ही पढ़े लिखे लड़के से हो गई। एक दिन लड़की ने बेहद लजीज खाना बनाया, जिसे पति बड़े चाव से खा रहा था कि तभी एक निवाला उसके गले में अटक गया। वह खांसते-खांसते मर गया। पत्नी रोते - रोते बोली, हाय यह क्या हो गया, पानी भी नही मांग सके वॉटर-वॉटर कहते हुए ही मर गए।

दो दोस्त दारू पीकर गाडी चला रहे थे। तभी एक चिल्लाया: अबे आगे दिवार है! तभी गाडी दिवार में घुस गई! अगले दिन दोनो हास्पिटल में, पहला दोस्त: मैं चिल्ला-चिल्ला कर कह रहा था आगे दिवार है दिवार है, फिर तुने सुना क्यों नहीं! दुसरा दोस्त: बेवड़े गाडी तो तू चला रहा था।

कहानी — ऊंट की गर्दन

बीरबल की सूझबूझ और हाजिर जवाबी से बादशाह अकबर बहुत रहते थे। बीरबल किसी भी समस्या का हल चुटकियों में निकाल देते थे। एक दिन बीरबल की चतुराई से खुश होकर बादशाह अकबर ने उन्हें इनाम देने की घोषणा कर दी। काफी समय बीत गया और बादशाह इस घोषणा के बारे में भूल गए। उधर बीरबल इनाम के इंतजार में कब से बैठे थे। बीरबल इस उलझन में थे कि वो बादशाह अकबर को इनाम की बात कैसे याद दिलाएं। एक शाम बादशाह अकबर यमुना नदी के किनारे सैर का आनंद उठा रहे थे कि उन्हें वहां एक ऊंट घूमता हुआ दिखाई दिया। ऊंट की गर्दन देख राजा ने बीरबल से पूछा, बीरबल, क्या तुम जानते हो कि ऊंट की गर्दन मुड़ी हुई क्यों होती है? बादशाह अकबर का सवाल सुनते ही बीरबल को उन्हें इनाम की बात याद दिलाने का मौका मिल गया। बीरबल से झट से उत्तर दिया, महाराज, दरअसल यह ऊंट किसी से किया हुआ अपना वादा भूल गया था, तब से इसकी गर्दन ऐसी ही है। बीरबल ने आगे कहा, लोगों का यह मानना है कि जो भी व्यक्ति अपना किया हुआ वादा भूल जाता है, उसकी गर्दन इसी तरह मुड़ जाती है। बीरबल की बात सुनकर बादशाह हैरान हो गए और उन्हें बीरबल से किया हुआ अपना वादा याद आ गया। उन्होंने बीरबल से जल्दी महल चलने को कहा। महल पहुंचते ही बादशाह अकबर ने बीरबल को इनाम दिया और उससे पूछा, मेरी गर्दन ऊंट की तरह तो नहीं हो जाएगी न बीरबल ने मुस्कुराकर जवाब दिया, नहीं महाराज। यह सुनकर बादशाह और बीरबल दोनों ठहाके लगाकर हंस दिए। इस तरह बीरबल ने बादशाह अकबर को नाराज किए बगैर उन्हें अपना किया हुआ वादा याद दिलाया और अपना इनाम लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। फालतू खर्च होगा। बड़ा काम करने का मन बनेगा। कारोबार में लाभ होगा। भाइयों का सहयोग मिलेगा।

वृषभ

चोट व रोग से बाधा संभव है। झंझटों में न पड़ें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। यात्रा लाभदायक रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति होगी। कारोबार में वृद्धि होगी।

मिथुन

विवाद को बढ़ावा न दें। फालतू खर्च पर नियंत्रण रखें। कुसंगति से बचें। घर-परिवार की चिंता रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी व्यक्ति के उकसाने में न आएं।

कर्क

डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है, प्रयास करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। निवेशादि मनोनुकूल लाभ देंगे। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा। व्यापार में लाभ बढ़ेगा।

सिंह

योजना फलीभूत होगी। कार्यस्थल पर परिवर्तन संभव है। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

कन्या

कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति मनोनुकूल रहेगी। कारोबार में वृद्धि के योग हैं। धन प्राप्ति सुगम होगी। नौकरी में चैन रहेगा। सत्संग का लाभ मिलेगा। जल्दबाजी न करें।

तुला

बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। काम करने की इच्छा नहीं होगी। विवाद से क्लेश संभव है। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी।

वृश्चिक

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। उत्साह की अधिकता तथा व्यस्तता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। कारोबार ठीक चलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लेने में जल्दबाजी न करें।

धनु

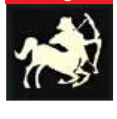

स्थायी संपत्ति में वृद्धि हो सकती है। प्रॉपर्टी के कामकाज बड़ा लाभ दे सकते हैं। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में प्रशंसा मिलेगी। रोजगार मिलेगा।

मकर

रचनात्मक कार्य पूर्ण व सफल रहेंगे। पार्टी व पिकनिक का आयोजन होगा। आय में वृद्धि होगी। परीक्षा व साक्षात्कार में सफलता प्राप्त होगी। व्यस्तता रहेगी।

कुम्भ

विवाद को बढ़ावा न दें। किसी व्यक्ति के व्यवहार से स्वाभिमान को ठेस पहुंच सकती है। दुःखद समाचार मिल सकता है। बेकार बातों की तरफ ध्यान न दें।

मीन

मेहनत का फल पूरा-पूरा मिलेगा। यात्रा लाभदायक रहेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मित्रों का सहयोग कर पाएंगे। बड़ा काम करने का मन बनेगा।

भूल भुलैया 3 में तब्बू को नहीं किया गया कास्ट

अनीस बज्मी द्वारा निर्देशित और कार्तिक आर्यन, विद्या बालन, माधुरी दीक्षित और तृप्ति डिमरी अभिनीत बहुप्रतीक्षित हॉरर-कॉमेडी फिल्म भूल भुलैया 3 इस दिवाली 1 नवंबर को रिलीज होगी। भूल भुलैया 3 की रिलीज के लिए आधिकारिक उलटी गिनती शुरू हो गई है। हालांकि, इस बार फिल्म में कार्तिक आर्यन के अलावा फिल्म की लीड एक्ट्रेस भी चेंज कर दी गई है। अब हाल ही में, निर्देशक ने फिल्म में तब्बू को कास्ट न करने के पीछे का कारण बताया है। अनीस बज्मी ने इस बार एक अलग रास्ता अपनाने का फैसला किया क्योंकि उन्होंने बताया कि वह सिर्फ मार्केटिंग रणनीति के लिए भूल भुलैया में तब्बू के लोकप्रिय किरदार का फिर से इस्तेमाल नहीं करना चाहते थे। उन्होंने कहा, जब भी लोग भूल भुलैया 2 के बारे में सोचेंगे, तो उन्हें तब्बू जी का किया गया शानदार काम याद आएगा। अनीस का मानना है कि उन्हें साफ पता है कि तब्बू को कास्ट करने से भूल भुलैया 3 की स्टार पावर बढ़ जाएगी, लेकिन वे तीसरे भाग में किसी और को कास्ट करने के अपने फैसले पर अड़े रहे। उन्होंने कहा, अगर वह इतनी करीबी दोस्त नहीं होती, तो मैं शायद उसे यह भूमिका लेने के लिए मजबूर करता। लेकिन, उसके प्रति गहरे सम्मान के कारण, मैंने किसी और को चुना। विद्या और तब्बू जी के बाद मंजुलिका के लिए सही फिट खोजने में हमें काफी समय लगा। अनीस ने सीक्वल में एक खास सीक्वेंस में तब्बू की एक्टिंग की तारीफ की, जहां वह अपनी जुड़वां बहन को एक कमरे में ले जाती है और डायलॉग बोलती है,

निर्देशक बोले-उनके रोल के साथ समझौता नहीं करना था

दो बहनों के बीच की बात कभी खत्म नहीं होती। अनीस ने कहा कि तब्बू ने उस सीक्वेंस में शानदार अभिनय किया, जो उनके किरदार को दूसरे लेवल पर ले गया। भूल भुलैया 3 में उन्हें फिर से कास्ट करके, अनीस सीक्वल में तब्बू द्वारा बनाए गए प्रभाव को खत्म नहीं करना चाहते थे।

बहन रिद्धिमा को पापा की तरह ही गुस्सा आता है: रणबीर

बॉलीवुड में ऋषि कपूर को सबसे सफल अभिनेताओं में गिना जाता है। उनके व्यवहार को बहुत अच्छे से जाना जाता है। फेबुलस लाइफ वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स के तीसरे सीजन में रणबीर कपूर ने बताया कि उनकी बहन रिद्धिमा कपूर साहनी को अपने पापा ऋषि कपूर की तरह ही गुस्सा आता है। उन्होंने कहा कि जब बात उन पर आती है, तो बहुत ज्यादा ही गुस्सा आता है। रणबीर कपूर ने अपने पापा की तरह की काम करने की ठानी। वहीं, रिद्धिमा कपूर अपने पापा की तरह काम नहीं करना चाहती थीं, उन्होंने ज्वेलरी डिजाइन में अपना करियर बनाया। हालांकि, सालों बाद उन्होंने फेबुलस लाइफ वर्सेस बॉलीवुड वाइव्स सीजन 3 में अपना स्क्रीन डेब्यू किया। इस शो में काम करने के लिए नीतू कपूर और रणबीर कपूर ने रिद्धिमा का सहयोग किया। रणबीर कपूर और रिद्धिमा रिश्ते में भाई बहन हैं, लेकिन कभी भी एक दूसरे को चिढ़ाने से नहीं चूकते हैं। रणबीर ने अपने पापा के बारे में बात करते हुए कहा, वह मेरे पिता से बहुत मिलती-जुलती हैं। वह जो भी सोचती हैं, जो भी उनके दिल में होता है, वह उसे बखूबी व्यक्त कर सकती हैं। शो के एक एपिसोड में नीतू कपूर ने बताया कि अपने पिता के निधन पर रिद्धिमा सबसे ज्यादा प्रभावित हुई थीं। रिद्धिमा उनके बारे में सुनकर कांप उठती थीं और वे अभी तक ऋषि कपूर के जाने की बात से उबर नहीं पाए हैं। इस शो में कल्याणी साहा चावला, शालिनी पासी और रिद्धिमा कपूर साहनी भी शामिल हुई हैं। शो में पहले से भावना पांडे, नीलम कोठारी, सीमा सजदेह और महीप कपूर नजर आ रहे थे।

बॉलीवुड | मन की बात

दिवालिया के समय मेरा बैंक बैलेंस हो गया था जीरो : कपिल

भारतीय मनोरंजन उद्योग में अगर कॉमेडी की बात की जाए तो कपिल शर्मा का नाम सबसे ऊपर आता है। कपिल शर्मा ने पिछले कुछ वर्षों में खुद को एक टीवी स्टार के रूप में स्थापित किया है। कपिल शर्मा ने अपने शो 'द कपिल शर्मा शो', 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' और अब 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' से अपनी पहचान देशभर में बनाई और दर्शकों की प्रशंसा हासिल की। हाल ही में कपिल शर्मा को भारत में सबसे अमीर टेलीविजन अभिनेता घोषित किया गया और उन्होंने रूपाली गांगुली को भी पीछे छोड़ दिया। हालांकि, कपिल शर्मा के लिए चीजें हमेशा से ऐसी नहीं थी। उन्होंने अपने शुरुआती दिनों में बहुत संघर्ष किया है। वह अक्सर अपने संघर्ष की कहानी साझा करते रहते हैं। कपिल ने फील इट इन योर सोल नामक पॉडकास्ट में खुलासा किया था कि कैसे उनकी पत्नी गिन्नी चतरथ ने उन्हें उनके जीवन के कठिन दौर से बाहर निकलने में मदद की थी। कपिल ने इस दौरान खुलासा किया कि उन्होंने दो फिल्मों के निर्माण के लिए पैसा लगाया, हालांकि, उन्होंने सारा पैसा खो दिया और दिवालिया हो गए, क्योंकि फिल्में अच्छी नहीं चलीं। अभिनेता ने यह भी खुलासा किया कि इसके बाद, वह डिप्रेशन में चले गए। कपिल कहते हैं कि यह उनके जीवन के सबक थे और अगर ये नहीं होते, तो वह इनसे कुछ नहीं सीख पाते। कपिल ने कहा, मैंने बड़े पैसे खर्च किए, मेरा बैंक बैलेंस जीरो हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अपने बुरे दौर से गुजरने के बाद अभिनेता और कॉमेडियन की कुल संपत्ति 300 करोड़ रुपये पहुंच गई है, जो किसी भी टेलीविजन अभिनेता की सबसे अधिक संपत्ति है। वर्तमान में नेटफ्लिक्स पर एक शो की मेजबानी कर रहे कपिल विवादों में भी रहे हैं। एक विवाद, जिसने उनके प्रशंसकों को चौंका दिया था वह था सुनील ग्रोवर के साथ उनका झगड़ा।

भूत से शादी करना महिला को पड़ा भारी, अब चाहती है तलाक

कहा-जिंदगी नर्क बन गई

भूतों को लेकर तमाम तरह के दावे किए जाते हैं। एक महिला ने भूत को लेकर ऐसा दावा किया था, जिसके बारे में जानकर सब हैरान रह गए थे। दरअसल, साल 2022 में एक महिला ने एक भूत से शादी करने का दावा किया था। महिला ने दावा किया कि भूत से पांच महीने मिलने के बाद ही उसने शादी कर ली। लेकिन अब महिला भूत से तलाक चाहती है। अब महिला का कहना है कि भूत से शादी करने के बाद उसकी जिंदगी नर्क बन गई है। दुर्भाग्य से महिला के लिए ये शादी कामयाब नहीं हो सकी। अब ये महिला चर्चा का विषय बनी हुई है। बता दें कि रॉकर ब्रोकार्डे नाम की एक महिला ने साल 2022 के हैलोवीन में एडवर्डो नाम के भूत से शादी की। अब महिला का दावा है कि भूत ने उसकी जिंदगी को नर्क बनाकर रख दिया है और वो उससे तलाक चाहती है। महिला का कहना है कि उसने जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला लिया है लेकिन भूत अब भी उसका पीछा कर रहा है। ऐसे में अब वो अपने जीवन से उसे निकालने के लिए भूत भगाने के बारे में सोच रही है। महिला ने शादी की गेस्ट लिस्ट के बारे में भी चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि समारोह में जिंदा और मरे हुए लोगों के लिए खुला निमंत्रण था। महिला ने अपने हनीमून के बारे में बात करते हुए कहा कि पूरा सफर बद से बस बदतर ही होता जा रहा है। एडवर्डो इमोशनल और रोमांटिक हो रहा था लेकिन मैं उसके साथ आइसक्रीम शेयर करना चाहती थी। लेकिन पूरी रेत मेरे चेहरे और बालों पर चिपक गई। डेली स्टार से बात करते हुए महिला ने कहा कि मैं हारना नहीं चाहती। लेकिन ये बात भी सच है कि भूत से शादी चल नहीं पा रही है।

अजब-गजब | भारत के इस गांव में नहीं चलता देश का संविधान

यहां के लोग खुद ही न्यायपालिका और कार्यपालिका

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे देश में संविधान के आधार पर ही कानून व्यवस्था चलती है। भारत के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह भारतीय संविधान का पालन करें। भारत के राज्यों में अलग अलग धर्म, अलग भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं, लेकिन कानून सभी के लिए एक ही है। हर किसी को भारतीय संविधान के नियम कानून मानना जरूरी होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक गांव ऐसा भी है, जहां भारत का कोई काननू नहीं चलता। यहां के लोग भारत के संविधान को नहीं मानते। इस गांव के अपने अलग नियम और कानून है। यह अनोखा गांव हिमाचल प्रदेश में स्थित है और इसका नाम मलाणा है। यहां के लोग खुद न्यायपालिका और कार्यपालिका होते हैं। सदन के सदस्यों को चुनने का काम भी वे खुद ही करते हैं। यह गांव हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में करीब 12 हजार फुट की ऊंचाई पर बसा है। इसके चारों तरफ गहरी खाई और पहाड़ हैं। इस गांव में कोई भी भारतीय कानून नहीं माना जाता है। गांव वालों ने अपने खुद के कुछ नियम बना रखे हैं। इस गांव की खुद की संसद है। इसी आधार पर यहां सारे फैसले लिए जाते हैं। खास बात यह है कि भारत का हिस्सा होते हुए भी इस गांव का अपना अलग संविधान है। यहां के लोगों की अपनी अलग संसद है और इसमें दो सदन हैं। ऊपरी सदन और निचली सदन। ऊपरी

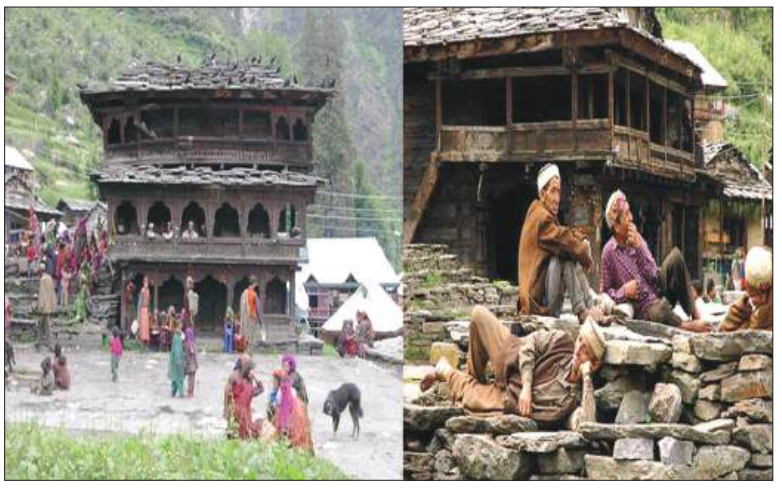

सदन में 11 सदस्य हैं। इनमें से तीन कारदार, गुरु और पुजारी होते हैं। ये स्थाई सदस्य हैं। बाकी के 8 सदस्यों को ग्रामीण मतदान करके चुनते हैं। सदन के हर घर से एक सदस्य प्रतिनिधि होता है। संसद भवन के तौर पर यहां एक चौपाल है, जहां सारे विवादों को सुलझाया जाता है और यहीं सारे फैसले होते हैं। इस गांव के अपने कुछ सख्त नियम भी है। यहां की दीवार को छूने की मनाही है। कोई भी बाहरी व्यक्ति गांव की दीवार को छू नहीं सकता। दीवार को छूने पर जुर्माना देना पड़ता है। यहां तक की पर्यटकों की भी इस गांव में एंट्री नहीं है। हिमाचल प्रदेश का मलाणा गांव दुनिया में चरस की खेती के लिए बहुत मशहूर है। इस गांव के आसपास गांजा अच्छी मात्रा में उगाया जाता है, जिसे मलाणा क्रीम कहते हैं। यहां के लोगों को चरस के अलावा कोई और फसल उगाने में दिलचस्पी नहीं है। उनके लिए यह काला सोना है। वास्तव में यह उनके लिए रोजी रोटी का मुख्य साधन है। यहां के लोगों की भाषा बहुत अलग है। यहां पर कनाशी भाषा बोली जाती है, जिसे बाहर के लोगों को सिखाना मना है। पर्यटक गांव में ठहर नहीं सकते, लेकिन इन्हें गांव के बाहर टेंट लगाकर रुकने की इजाजत है।

आतंकी हमलों की जवाबदेही ले सरकार : राहुल

कहा- जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा-शांति कायम करने में एनडीए फेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर एनडीए सरकार पर हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि एनडीए सरकार की नीतियां सुरक्षा और शांति कायम करने में पूरी तरह फेल हैं। सरकार की इस पर जवाबदेही तय करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना के जवानों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। एक्स पर पोस्ट में लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में सेना के वाहन पर कायरतापूर्ण हमले में हमारे बहादुर सैनिकों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टर की भी जान चली गई। मैं शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं।

उन्होंने कहा कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार की नीतियां जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा और शांति स्थापित करने में पूरी तरह से फेल रही हैं। राहुल गांधी ने कहा कि वास्तविकता यह है कि राज्य लगातार आतंकवादी गतिविधियों और हमारे सैनिकों पर हमलों और नागरिकों की हत्याओं के कारण खतरे में है। उन्होंने कहा कि सरकार को इसकी तुरंत जवाबदेही लेनी चाहिए और घाटी में जल्द से जल्द शांति बहाल करनी चाहिए। इसके साथ ही सेना और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रियंका गांधी ने भी की आतंकी हमले की निंदा

वहीं कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी आतंकी हमले में जान-माल के नुकसान पर कहा कि आतंकी कृत्यों के लिए जितनी भी निंदा की जाए वह पर्याप्त नहीं है। जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में आतंकी हमले में दो जवानों की शहादत की खबर बेहद दुखद है। हमले में दो पोर्टरों की भी जान चली गई है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। उन्होंने कहा कि सभ्य समाज में हिंसा और आतंकवाद अस्वीकार्य है। उत्तरी कश्मीर में उड़ी सेक्टर के अंतर्गत गुलमर्ग में गुरुवार को आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया था। सेना के दो जवान बलिदान हो गए थे। जबकि दो पोर्टर भी मारे गए थे। तीन अन्य जवान घायल हुए थे। हमले के बाद पूरे इलाके को घेरकर सुरक्षा बलों ने दहशतगर्दों की तलाश शुरू कर दी गई।

सैलून पहुंचे नेता प्रतिपक्ष को नाई ने सुनाया अपना दर्द

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में एक सैलून में पहुंचे। नाई अजीत राहुल को अपनी दुकान में देखकर हैरत में पड़ गया। उसने कांग्रेस सांसद की दाढ़ी बनाई। साथ ही अपनी जिंदगी का दर्द साझा किया। राहुल गांधी ने इस वीडियो को एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि बढ़ती महंगाई ने मेहनतकशों के सपनों को लूट लिया है। अब ऐसी नई योजनाओं की जरूरत है जो उन्हें अपनी बचत घर ले जाने में मदद कर सके। कांग्रेस सांसद राहुल ने दाढ़ी बनवाते हुए नाई अजीत से उसकी समस्याएं पूछीं। उन्होंने पूछा कि कितना कमा लेते हो, तो नाई ने कहा कि कुछ भी नहीं बच पाता है। सब कुछ किराये में चला जाता है। इसके बाद राहुल गांधी ने लिखा कि कुछ भी नहीं बचा है। अजीत भाई के ये चार शब्द और उनके आंसू आज भारत के हर मेहनतकश गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति की कहानी कहते हैं।

आंतरिक सुरक्षा सभी की जिम्मेदारी : वीके सिंह

बोले- भारत-चीन गश्ती समझौते से बना सकारात्मक माहौल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल वीके सिंह ने कहा है कि आंतरिक सुरक्षा सभी का मसला है। यह हमारा कर्तव्य है कि जिनसे हम संपर्क में आते हैं, उनके साथ इस जिम्मेदारी को साझा करें। हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि अगर हम किसी ऐसी स्थिति में हैं जो आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी है, तो हमारा अहंकार इसमें बाधा न बने, बल्कि हमें इतना लचीला होना चाहिए कि हम ऐसे समाधान निकाल सकें जो पूरे देश के लिए मददगार साबित हों।

भारत-चीन सीमा पर गश्ती को लेकर हुए समझौते की सराहना करते हुए सिंह ने कहा कि इस फैसले के तौर-तरीके जमीनी स्तर पर काम कर रहे लोगों को तय करने चाहिए। उन्होंने इसे सकारात्मक कदम बताते हुए भारतीय राजनयिकों की तारीफ की, जिन्होंने काफी वक्त से लंबित इस समझौते को पूरा करने में योगदान दिया। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि समझौता सीमा पर सेना की मौजूदगी कम करने और गश्त के नियम बनाने को लेकर है। इसकी बारीकियों को अमलीजामा पहनाने में वक्त लगेगा। जनरल सिंह ने कहा कि भारत-चीन समझौते से एक सकारात्मक माहौल बना है। इससे दोनों देशों के नेताओं को ऐसे फैसले लेने में मदद मिलेगी जो दोनों के लिए फायदेमंद हों। उन्होंने बताया कि कई बैठकें होंगी और उसके बाद ही हम असल नतीजे देख पाएंगे। हालांकि, उन्हें विश्वास है कि इस सकारात्मक माहौल में दोनों पक्ष सार्थक बातचीत कर सकेंगे और आपसी फायदे वाले नतीजे पर पहुंच सकेंगे।

प्रगति भारत महोत्सव 2024 कार्यक्रम सम्पन्न

विधायक राजेश्वर सिंह ने की शिरकत

मुख्य अतिथि कृपाशंकर श्रीवास्तव विश्वास मौजूद रहे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगति भारत महोत्सव 2024 के द्वितीय संध्या पर मंच पर शिप्रा चंद्र द्वारा अवधी भजन और गीतों से आरंभ हुए कार्यक्रम को बहुत विशेष और महत्वपूर्ण बना दिया। प्रगति भारत महोत्सव में सरोजिनी नगर के विधायक राजेश्वर सिंह ने भी शिरकत की। विधायक ने दीप प्रज्वलित करके आज की संध्या का शुभारंभ किया। विधायक राजेश्वर सिंह ने प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संस्था का कार्य पूरे समाज के उत्थान के लिए किया जा रहा है। वह अपने आप में बेमिसाल है।

नव सृजन साहित्यिक मंच द्वारा उपस्थित कवियों का संस्था के अध्यक्ष योगेश गुप्ता एवं सचिव डॉक्टर सुधा मिश्रा द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृपाशंकर श्रीवास्तव विश्वास थे। जिन कवियों द्वारा कविता का पाठ किया गया उन्हें प्रमुख रूप से संजय समर्थ मित्र, चंद्रपाल सिंह, अखिल कुमार श्रीवास्तव, त्रिवेणी प्रसाद दुबे , शिवमंगल सिंह, नीतू आनंद श्रीवास्तव, कुंवर आनंद श्रीवास्तव, सचिन तिवारी, शीला वर्मा अरविंद रस्तोगी, डॉक्टर योगेश, डॉ सुधा मिश्रा एवं अपूर्ण लखनवी रश्मि श्रीवास्तव द्वारा मंच की गरिमा बढ़ाई गई।

मुझे बारामती के लोगों पर पूरा भरोसा: अजित

भतीजे के खिलाफ खड़ा होने पर बोले- राजनीति में इस तरह की लड़ाइयां आम बात

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और एनसीपी अध्यक्ष अजित पवार अपने भतीजे युगेंद्र पवार के खिलाफ बारामती के पारिवारिक मैदान पर चुनाव लड़ेंगे। इसे लेकर उन्होंने कहा कि उन्हें इस निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं पर पूरा भरोसा है, जिन्होंने हमेशा उनका समर्थन किया है। बता दें कि शरद पवार के नेतृत्व वाली प्रतिद्वंद्वी एनसीपी (एसपी) ने अजित पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे युगेंद्र पवार को बारामती विधानसभा से उम्मीदवार बनाने की घोषणा की, जिससे इस सीट पर हाई-प्रोफाइल मुकाबले की स्थिति बन गई।

इंदापुर में एनसीपी के स्थानीय उम्मीदवार दत्तात्रेय भारने का नामांकन दाखिल कराने पहुंचे अजित पवार ने उनके भतीजे को उनके खिलाफ खड़ा किए जाने के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि चुनावी राजनीति में इस तरह की लड़ाईयां आम बात हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा, कोई भी नामांकन दाखिल कर सकता है। बारामती के लोग समझदार हैं और मुझे उन पर भरोसा है। अजित पवार ने आगे कहा कि, 23 नवंबर (मतगणना के दिन) तक तस्वीर साफ हो जाएगी। पिछले सात-आठ चुनावों से बारामती के लोगों ने लगातार मेरा समर्थन किया है, पहले सांसद के तौर पर और बाद में विधायक के तौर पर, मैंने एक जनप्रतिनिधि के तौर पर अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से पालन किया है। इस दौरान क्षेत्र में किए गए अपने विकास कार्यों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने लोगों से बारामती से अन्य निर्वाचन क्षेत्रों की तुलना करने को कहा। अजित ने कहा, जो भी संभव था, मैंने किया है। जब भी मैं चुनाव में खड़ा हुआ, बारामती के लोगों ने मेरा समर्थन किया।

हम सभी को खुश नहीं कर सकते

अजित पवार ने कहा, मैंने पहले ही कुछ नामों की घोषणा कर दी है। 11 सीटों के लिए चर्चा चल रही है। हम सभी को खुश नहीं कर सकते। बता दें कि एक दिन पहले ही अजित पवार ने भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से चर्चा करने के लिए दिल्ली का दौरा किया था। राज्य में भाजपा ने अब तक 99 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की है, जबकि राकांपा ने कुल 45 उम्मीदवारों की घोषणा करते हुए दो सूचियां जारी की हैं। वहीं शिवसेना ने भी 45 उम्मीदवारों की घोषणा की है। महाराष्ट्र में 20 नवंबर को विधानसभा चुनाव होंगे और 23 नवंबर को इस चुनाव के नतीजे आएंगे।

न्यूजीलैंड ने भारत को दिया 359 रन का लक्ष्य

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में बनाए 255 रन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पुणे। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीन मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला पुणे में खेला जा रहा है। कीवी टीम ने इस टेस्ट पर भी अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 259 रन बनाए थे। जवाब में भारत की पहली पारी 156 रन पर सिमट गई थी। न्यूजीलैंड ने अपनी दूसरी पारी में 255 रन बनाए और भारत के सामने 359 रन का लक्ष्य रखा है।

तीसरे दिन लंच तक भारत ने अपनी दूसरी पारी में एक विकेट गंवाकर 81 रन बना लिए हैं। फिलहाल यशस्वी जायसवाल 36 गेंद में 46 रन और शुभमन गिल 20 गेंद में 22 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। खास बात तो यह है कि भारत ने ये 81 रन 12 ओवरों में 6.75 के रन रेट से बनाए हैं। रोहित आठ रन बनाकर आउट हुए थे। टीम इंडिया के सामने 359 रन का लक्ष्य है और अब रोहित एंड कंपनी को जीत के लिए 278 रन की दरकार है। 34 के स्कोर पर भारत को पहला झटका लगा है। कप्तान रोहित आठ रन बनाकर मिचेल सैंटनर का शिकार बने। उन्हें सैंटनर ने यंग के हाथों कैच कराया।

तीसरे दिन लंच तक भारत ने दूसरी पारी में रोहित का विकेट खोकर बनाए 81 रन

एमएस धोनी बने झारखंड विस चुनाव के ब्रांड एंबेसडर

कैप्टन कूल एमएस धोनी अब क्रिकेट के मैदान से इतर चुनाव के मैदान में भी दिखाई देंगे, लेकिन हैरान मत होइए, धोनी चुनाव नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि वह सिर्फ मतदाताओं को अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित करते दिखाई देंगे। दरअसल चुनाव आयोग ने महेंद्र सिंह धोनी को झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए ब्रांड एंबेसडर बनाया है। झारखंड के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने भी विधानसभा चुनाव के दौरान उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। के रवि कुमार ने बताया कि महेंद्र सिंह धोनी ने चुनाव आयोग को उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करने की मंजूरी दे दी है। हम अन्य विस्तृत जानकारी के लिए उनके संपर्क में हैं। महेंद्र सिंह धोनी मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करेंगे।

केजरीवाल पर हमले के दावे के बाद से गरमाई सियासत

» विकासपुरी पदयात्रा के दौरान हुआ हमला

सीएम आतिशी ने भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल पर शुक्रवार की देर शाम को हमले की कोशिश की गई। जानकारी के मुताबिक घटना विकासपुरी में हुई, जब केजरीवाल पदयात्रा कर रहे थे। आम आदमी पार्टी का कहना है कि बीजेपी के कुछ कार्यकर्ताओं ने उन पर हमला करने की कोशिश की। आरोप है कि बीजेपी के कार्यकर्ता केजरीवाल के करीब आ गए और पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश तक नहीं की।

पार्टी ने इस घटना को गंभीरता से लिया है और पुलिस से सख्त कार्रवाई की मांग की है। बता दें कि दिल्ली पुलिस ने बताया कि विकासपुरी के विकास नगर इलाके में अरविंद केजरीवाल की पदयात्रा थी। बीजेपी के कुछ लोगों ने काले झंडे दिखाए और मुर्दाबाद के नारे लगाए, कोई अरविंद केजरीवाल के करीब तक नहीं पहुंच पाया। कोई झड़प नहीं हुई, पुलिस को किसी तरह की शिकायत नहीं दी गई है। दिल्ली की सीएम आतिशी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि बीजेपी को पता है की वह केजरीवाल को चुनाव में हरा नहीं सकते हैं इसलिए वह उनकी जान लेना चाहते हैं। पहले बीजेपी ने अरविंद केजरीवाल की दवाई बंद कर दी ताकि उनकी जान चली जाए। सीएम आतिशी ने कहा, दिल्ली वालों की जनता केजरीवाल जी से प्यार करती है। उनके काम रोककर दिल्ली की जनता को परेशान किया जा रहा है। अगर केजरीवाल जी को कुछ भी हुआ तो दिल्ली की जनता बीजेपी को छोड़ेगी नहीं। वो दिल्ली के लिए सिर्फ नेता नहीं बल्कि उनके बेटे हैं। उन पर जब भी हमला हुआ है उसके पीछे बीजेपी के लोग ही शामिल होते हैं।

केजरीवाल को कुछ हुआ तो जिम्मेदारी बीजेपी की: संजय

भाजपा वाले अरविंद केजरीवाल जी की जान के दुश्मन बन गए है। पहले ईडी-सीबीआई का इस्तेमाल करके झूठे मुकदमे लिखे, जेल में डाला, इंसुलिन बंद की, जान से मारने की कोशिश की और अब अरविंद केजरीवाल पर भाजपा के गुंडों का हमला। भाजपा केजरीवाल जी को खत्म करना चाहती है। अगर अरविंद केजरीवाल को कुछ भी होता है तो उसके लिए भाजपा जिम्मेदार होगी।

झांसी में दलित ने मजदूरी करने से किया मना तो मुंडवा दिया सर

» सर गंजा कर मजदूर का गांव में निकाला जुलूस

» पुलिस ने कहा- आरोपियों की गिरफ्तारी जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

झांसी। उत्तर प्रदेश के झांसी जनपद से एक शर्मनाक मामला सामने आया है। झांसी जनपद में एक मजदूर ने मजदूरी करने से मना किया तो दबंगों ने जबरदस्ती पकड़कर उसका सर मुंडवा दिया।दबंगों का इतने से मन नहीं भरा तो उन लोगों ने गांव में उसका जुलूस भी निकाला।

पूरा मामला झांसी जनपद के सीपरी बाजार थाना क्षेत्र का है। बताया जा रहा है कि सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के एक गांव का रहने वाला 45 वर्षीय शख्स मजदूरी करता है। उसका कहना है कि टाकोरी गांव के रहने वाले व्यक्ति उसे अपने घर जबरन मजदूरी करवाना चाहते हैं। वह पाडरी बाजार में जब मजदूरी करने जाता है तो उसके साथ लोग मारपीट करते हैं। वहीं इस बारे में झांसी पुलिस ने बताया गया कि दिनांक 23.10.24 को वादी द्वारा थाना सीपरी बाजार पर तहरीर देकर आरोप लगाया गया है कि कुछ व्यक्तियों द्वारा बिना किसी कारण उनके साथ मारपीट व गाली-गलौज की गई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। प्राप्त तहरीर के आधार पर तत्समय थाना स्थानीय पर 04 अभियुक्तों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है। पुलिस द्वारा अभियुक्तों की शीघ्र गिरफ्तारी हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं।

उपचुनाव को लेकर सपा ने कसी कमर, स्टार प्रचारकों की सूची जारी

» दीवाली बाद अखिलेश और डिम्पल करेंगे रोड शो व जनसभाएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में उपचुनाव को लेकर बीजेपी सपा और बीएसपी ने कमर कस ली है। दीपावली के बाद उपचुनाव का रण शुरू होने वाला है इसी कड़ी सपा मुखिया अखिलेश यादव ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

बता दें की यूपी की सभी 9 विधानसभा सीटों पर जनसभा और रोड शो अखिलेश यादव करने जा रहे हैं। मैनपुरी की करहल विधानसभा से अखिलेश यादव चुनावी अभियान शुरू करने जा रहे हैं। जिला और महानगर संगठनों को स्थलों की अनुमति लेने के निर्देश। 1 दिन में एक विधानसभा पर कार्यक्रम करने की तैयारी चल रही है। सपा के बड़े नेताओं को भी उपचुनाव प्रचार में जुटने के निर्देश दिए गए हैं। उपचुनाव की तैयारियों के मद्देनजर समाजवादी पार्टी ने 19 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सबसे पहला नाम पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का है। इसके बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता व सांसद प्रो. रामगोपाल यादव, सपा महासचिव आजम खां, मैनपुरी से सांसद डिंपल यादव, सांसद जया बच्चन और सपा विधायक शिवपाल सिंह यादव का नाम भी शामिल है। साथ ही सपा सांसद रामजी लाल सुमन, सपा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल, जौनपुर से सपा सांसद बाबू सिंह कुशवाहा, सपा महासचिव व सांसद हरेंद्र मलिक, अंबेडकर नगर से सपा सांसद लालजी वर्मा और अयोध्या से सांसद अवधेश प्रसाद को भी स्टार प्रचारक बनाया गया है।

आजम खान के नाम ने सबको चौंकाया

सपा द्वारा जारी की गई 40 स्टार प्रचारकों की लिस्ट में सबसे पहला सपा मुखिया अखिलेश यादव का नाम है। हालांकि इस लिस्ट में जेल में बंद आजम खान का नाम सभी को चौंका रहा है क्योंकि अब देखना ये है कि आजम खान जेल में बंद है और वह किस प्रकार से समाजवादी पार्टी के लिए प्रचार में हिस्सा ले पाएंगे।

यूपी की 9 सीटों पर है उपचुनाव

उत्तर प्रदेश में 13 नवंबर को विधानसभा की 9 सीटों पर उपचुनाव होना है. जिसके लिए बीजेपी, सपा और बसपा ने पहले ही अपने-अपने उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं. यूपी की जिन 9 सीटों पर उपचुनाव होना है उनमें गाजियाबाद सदर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां, करहल, कुंदरकी, खैर, कटेहरी और सीसामऊ शामिल हैं।

इजरायली हमले को ईरान ने किया नाकाम

» आईडीएफ ने कहा- पलटवार पर चुकानी होगी भारी कीमत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जरायल ने ईरान पर शनिवार की सुबह हमला किया है। इजरायल ने इस हमले में ईरान के सैन्य ठिकानों पर निशाना बनाया है। इन धमाकों की आवाज को ईरान में काफी देर तक सुना गया। इसके साथ ही मध्य एशिया में टकराव एक बार फिर बढ़ गया है।

ईरान ने इस महीने की शुरूआत में हिजबुल्लाह के चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद इजरायल पर सैकड़ों मिसाइलें दागी थी, जिसके जवाब में अब इजरायल ने ईरान के सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया है। इजरायली सेना ने कहा कि वह अपने राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए प्रतिबद्ध हैं और वह इसके लिए कुछ भी करेगा।

'एयरस्ट्राइक में लिमिटेड डैमेज'

इजरायल के हमलों को लेकर ईरान की प्रतिक्रिया आई सामने

इजरायल के हमलों को लेकर ईरान ने कहा कि कुछ स्थानों पर सीमित नुकसान हुआ है। अभी जांच की जा रही है। ईरान ने तेहरान, खुजेस्तान और इलम प्रांतों में सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमलों की पुष्टि की है। इस आक्रमण को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया है। ईरान में सैन्य ठिकानों पर हमले के बाद कुछ समय के लिए उड़ानें स्थगित कर दी गई थी। वहीं, समाचार एजेंसी तस्नीम ने शनिवार को बताया कि ईरान के समय के अनुसार सुबह 9 बजे से सामान्य रूप से उड़ानें फिर से शुरू करेगा।

फोटो:4 पीएम

दबंगों ने महिला को पीटकर घर से निकाल किया कब्जा

लखनऊ। राजधानी के थाना हुसैनगंज के नई बस्ती क्षेत्र में कुछ दबंगों ने एक पीड़ित महिला के साथ जमकर मारपीट की और उसके मकान पर कब्जा कर लिया। पीड़िता के मुताबिक पड़ोस में रहने वाले दबंग राजकुमार यादव, मुन्नु यादव और मुलायम यादव ने पूर

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।